I.C.S.E

कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न अंग है अत: 'वृक्ष लगाओ देश बचाओ' इस पर संक्षिप्त लेख लिखें।
2. गुरु बिना जीवन में ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती इस आधार पर 'जीवन में गुरु का महत्त्व' पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
3. 'एक अंधे की आत्मकथा' लिखें।
4. 'मन के हारे हार है मन के जीते जीत' इस उक्ति के आधार पर इस विषय पर विचार प्रकट करें।
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:

अपने विद्यालय को 'आदर्श विद्यालय' पुरस्कार प्राप्त होने पर प्रधानाचार्य को अभिनंदन हेतु पत्र लिखिए।

अथवा

'स्वच्छता अभियान' में सहयोग देने के लिए से अपनी कॉलोनी के सचिव को पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: **[10]**

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

एक समय की बात एक गाँव में एक कुम्हार रहता था। एक दिन नशे की हालत में वह एक घड़े पर गिर गया और उसके माथे पर एक घाव लग गया। चिकित्सा के बाद भी उसके माथे पर एक निशान रह गया। कुछ समय के पश्चात देश में अकाल पड़ा और कुम्हार नौकरी की तलाश में अन्य देश में गया। राजा के महल में एक नौकरी मिल गई। राजा ने निशान देखकर सोचा

कि कुम्हार एक अच्छा योद्धा रहा होगा। राजा उसे अतिरिक्त सम्मान देना शुरू कर दिया। एक दिन दुश्मन राज्य ने राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ा। राजा ने कुम्हार को अपनी सेना का नेतृत्व करने कहा, तब कुम्हार ने कहा मैं योद्धा नहीं था और निशान के बारे में कहानी बताई। राजा अपने अज्ञान के लिए शर्मिंदा थे।

1. कुम्हार को घाव कैसे लग गया? **[2]**
2. कुम्हार अन्य देश क्यों गया? **[2]**
3. कुम्हार को राजा के महल में कौन-सी नौकरी मिली? क्यों? **[2]**
4. राजा ने कुम्हार को अतिरिक्त सम्मान देना क्यों शुरू कर दिया? **[2]**
5. आपको यह गद्यांश पढ़कर क्या सीख मिलती है? **[2]**

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए : [2]
   पूज्यनीय, पूँछना, वेषभूषा, उपजाउ
2. निम्नलिखित वाक्य का विपरीतार्थक वाक्य लिखिए : [1]
   I. यह पढ़ाई में पंडित है।
3. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित मुहावरा शब्द का प्रयोग करें : [2]
   i. अरे, तुमने तो जरा सी बात का को लेकर राई का _____ बना दिया।
   ii. भारतीयों ने दुश्मनों के दाँत _________ कर दिए।
4. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए: [3]
   1. आलस्य के कारण वह सफल नहीं हो पाया। ('आलस्य' के स्थान पर विशेषण का प्रयोग कीजिए।)
   2. वह इस बात से दुखी है। (उसे से वाक्य शुरू कीजिए।)
   3. युवती कविता पढ़ कर रही हैं। (वचन बदलिए।)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मुझे तो तेरे दिमाग के कन्फ्यूजन का प्रतीक नज़र आ रहा है, बिना मतलब जिंदगी खराब कर रही है।"

पाठ - दो कलाकार

लेखक - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता और श्रोता का परिचय दें। [2]
2. चित्रा का अरुणा को नींद में से जगाने का क्या उद्देश्य है? [2]
3. अरुणा ने चित्र को घनचक्कर क्यों कहा? [3]
4. चित्रा ने उस चित्र को किसका प्रतीक कहा और क्यों? [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

विपत्ति में भी मेरे पति ने धर्म नहीं छोड़ा। धन्य हैं मेरे पति! सेठ के चरणों की रज मस्तक पर लगाते हुए बोली, "धीरज रखें, भगवान सब भला करेंगे।"

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता का परिचय दें। [2]
2. वक्ता ने अपने पति की रज मस्तक पर क्यों लगाई? [2]
3. सेठानी भौचक्की-सी क्यों खड़ी हो गई? [3]
4. सेठ को धन की प्राप्ति किस प्रकार हुई? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

वाह भाई! क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, लेकिन चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है?

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

1. प्रस्तुत कथन के वक्ता का परिचय दें। [2]
2. प्रस्तुत कथन के श्रोता का परिचय दें। [2]
3. कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब को क्या आदत पड़ गई थी? [3]
4. मूर्ति का चश्मा हर-बार कौन और क्यों बदल देता था? [3]

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

व्यथित है मेरा हृदय-प्रदेश,
चलू उनको बहलाऊँ आज।
बताकर अपना सुख-दुख उसे
हृदय का भार हटाऊँ आज।।
चलूँ माँ के पद-पंकज पकड़
नयन-जल से नहलाऊँ आज।
मातृ मंदिर में मैंने कहा....
चलूँ दर्शन कर आऊँ आज।।
किंतु यह हुआ अचानक ध्यान,
दीन हूँ छोटी हूँ अज्ञान।
मातृ-मंदिर का दुर्गम मार्ग
तुम्हीं बतला दो हे भगवान।।

कविता - मातृ मंदिर की ओर

कवि - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. किसका हृदय व्यथित है और क्यों? [2]
2. कवयित्री अपनी व्यथा को दूर करने के लिए क्या करना चाहती है? [2]
3. मातृ मंदिर का मार्ग कैसा है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - व्यथित, नयन-जल, दुर्गम, पद-पंकज, भगवान, अचानक [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोबिंद दियौ बताय॥
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि॥

कविता - साखी

कवि - कबीरदास

1. यहाँ पर 'मैं' और 'हरि' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? [2]
2. कबीर के अनुसार कौन परमात्मा से मिलने का रास्ता दिखाता है? [2]
3. 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।' - का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। [3]
4. कबीर के गुरु के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह आता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।

पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी भर दाने को- भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।

कविता - भिक्षुक

कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक लोगों से क्या माँग रहा है? [2]
2. भिक्षुक की झोली कैसी है? [2]
3. इन पंक्तियों के आधार पर भिक्षुक की दीन दशा का वर्णन कीजिए? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - टूक, पथ, लकूटिया, भूख, पथ, कलेजे [3]

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वीरसिंह और जिस जन्मभूमि की धूल में खेलकर हम बड़े हुए हैं, उसका अपमान भी कैसे सहन किया जा सकता है? हम महाराणा के नौकर हैं तो क्या हमने अपनी आत्मा भी उन्हें बेच दी है? जब कभी मेवाड़ की स्वतंत्रता पर आक्रमण हुआ है, हमारी तलवार ने उनके नमक का बदला दिया है।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. वीरसिंह की मातृभूमि कौन-सी थी और वह मेवाड़ में क्यों रहता था? [2]
2. वीरसिंह के बलिदान ने राजपूतों को क्या सिखा दिया? [2]
3. वीरसिंह ने अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम किस तरह दिखाया? [3]

4. 'मातृभूमि का मान' एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दादाजी, आप पेड़ से किसी डाली का टूटकर अलग होना पसंद नहीं करे,पर क्या आप यह चाहेंगे कि पेड़ से लगी-लगी वह डाल सूखकर मुरझा जाय...

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता का परिचय दें। [2]
2. घर के सदस्यों का व्यवहार छोटी बहू के प्रति बदल कैसे जाता है? [2]
3. उपर्युक्त कथन से वक्ता का क्या आशय है? [3]
4. वक्ता की मन:स्थिति का वर्णन कीजिए। [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

कह नहीं सकता संजय किसके पापों का परिणाम है, किसकी भूल थी जिसका भीषण विष फल हमें मिला। ओह! क्या पुत्र-मोह अपराध है, पाप है? क्या मैंने कभी भी...कभी भी...

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता कौन है? उनका परिचय दें। [2]
2. यहाँ पर श्रोता कौन है? वह वक्ता को क्या सलाह देता है और क्यों? [2]
3. यहाँ पर भीषण विष फल किस ओर संकेत करता है स्पष्ट कीजिए। [3]
4. पुत्र-मोह से क्या तात्पर्य है? [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'आप समाज की इतनी चिंता क्यों करते हैं? क्या करता है यह समाज हमारे लिए?'

1. घर में सभी लोग पोस्ट मैन का इंतजार क्यों कर रहे थे? [2]
2. मेरठ से क्या जवाब आया? [2]
3. मीनू के क्या निर्णय लिया? [3]
4. उपर्युक्त कथन का उद्धेश्य स्पष्ट करें। [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब लड़का लड़की को देखने आए तो यह समय एक परीक्षा का समय होता है। लड़की के मन में एक अन्तर्द्वन्द्व होता है कि वह इस परीक्षा में पास हो सकेगी या नहीं।

1. आशा कौन है? [2]
2. दयाराम के घर तैयारियाँ क्यों चल रही थी? [2]
3. दयाराम के घर की तैयारी का वर्णन कीजिए। [3]
4. किसके मन में क्यों अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था? [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

माँ ने उसे सीने से लगाकर आशीर्वाद दिया, "बेटी, एक देदीप्यमान नक्षत्र बनकर तुम जग को प्रकाशमय कर दो। जीवन की सारी खुशियाँ तुम्हारे पास हों, तुम अपने उद्धेश्य प्राप्ति में सफल हो, यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।"

1. मीनू के मन में किस प्रकार के भाव उभरते रहते थे? [2]
2. मीनू को वकालत करने की आज्ञा किस तरह मिली? [2]
3. किस कल्पना से मीनू सिहर उठती थी? [3]
4. होस्टल पहुँचने के बाद शुरू में मीनू को कैसा लगा? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***
*Attempt **All** the questions from **Section A.***
*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)
Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. वृक्ष हमारे जीवन का अभिन्न अंग है अत: 'वृक्ष लगाओ देश बचाओ' इस पर संक्षिप्त लेख लिखें।

   भारतीय संस्कृति की परंपरा के अनुसार पेड़ को देवता मानकर उनकी पूजा की जाती है। यह हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। वृक्ष के बिना हम भी अधिक समय तक अपने अस्तित्व को जिंदा नहीं रख सकते। वन वातावरण में से कार्बन डाईऑक्साइड को कम करते हैं। वातावरण को शुद्ध बनाते हैं। बहुमूल्य ऑक्सीजन देते हैं। पेड़ हमें भोजन, घरों के निर्माण और फर्नीचर बनाने के लिए हमें लकड़ी प्रदान करते हैं। वे हमें ईंधन के लिए लकड़ी उपलब्ध कराते हैं। हमें विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ देते हैं।

बढ़ती आबादी, शहरीकरण के कारण हरियाली तेजी से कम हो रही है।जितनी तेज़ी से हम इनकी कटाई कर रहे हैं, उतनी तेज़ी से ही हम अपनी जड़ें भी काट रहे हैं। वृक्षों के कटाव के कारणआज भयंकर स्थिति उत्पन्न हो गई है। पेड़ों का क्रूर वध हमारे विनाश में सहायक होगा। रेगिस्तान का विस्तार होगा, नदियाँ सूख जाएगी, पानी की कमी होगी, भूमि बंजर हो जाएगी, प्रकृति का संतुलन बिगड़ जाएगा। हमारा अस्तित्व उन पर निर्भर करता है इसलिए हमें पेड़ों की रक्षा करनी होगी। पर्यावरण की समस्याओं का एकमात्र समाधान पेड़ों की सुरक्षा है। सरकार ने जनमानस को जागृत करने के लिए 1950 में वन महोत्सव कार्यक्रम आरंभ किया।

पर्यावरण को बचाने के लिए यह हमारे जागने का वक्त है। सिर्फ जागने का ही नहीं, कुछ करने का भी। इसके लिए जरूरी है कि हम पेड़ लगाएँ। विनोबा भावे ने हर व्यक्ति को एक पेड़ लगाना चाहिए यह संदेश दिया है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा कि वन ही जीवन है, इस वन-जीवन से हम प्यार करें और वृक्षों को लगाकर इसकी रक्षा करे।

2. गुरु बिना जीवन में ज्ञान की प्राप्ति नहीं हो सकती इस आधार पर 'जीवन में गुरु का महत्त्व' पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

गुरुब्रह्मा गुरुविर्ष्णुः गुरुर्देवो महेश्वरः।
गुरुः साक्षात् परब्रह्म तस्मै श्री गुरवे नमः।

गुरु की महिमा का पूरा वर्णन वास्तव में कोई नहीं कर सकता। क्योंकि गुरु की महिमा तो ईश्वर से भी कहीं अधिक है। गुरु को ईश्वर का दर्जा प्राप्त है।

गुरु के महत्त्व पर तुलसीदास ने भी रामचरितमानस में लिखा है -

गुर बिनु भवनिधि तरइ न कोई।
जों बिरंचि संकर सम होई।।

भले ही कोई ब्रह्मा, शंकर के समान क्यों न हो, वह गुरु के बिना भव सागर पार नहीं कर सकता। धरती के आरंभ से ही गुरु की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला गया है। वेदों, उपनिषदों, पुराणों, रामायण, गीता,

गुरुग्रन्थ साहिब आदि सभी धर्मग्रन्थों एवं सभी महान संतों द्वारा गुरु की महिमा का गुणगान किया गया है। गुरु और भगवान में कोई अंतर नहीं है।

संस्कृत के शब्द गु का अर्थ है अन्धकार, रु का अर्थ है उस अंधकार को मिटाने वाला। आत्मबल को जगाने का काम गुरु ही करता है। गुरु अपने आत्मबल द्वारा शिष्य में ऐसी प्रेरणाएँ भरता है, जिससे कि वह अच्छे मार्ग पर चल सके। हमारे सभ्य सामाजिक जीवन का आधार स्तंभ गुरू हैं। कई ऐसे गुरू हुए हैं, जिन्होंने अपने शिष्य को इस तरह शिक्षित किया कि उनके शिष्यों ने राष्ट्र की धारा को ही बदल दिया। आध्यात्मिक शांति, धार्मिक ज्ञान और सांसारिक निर्वाह सभी के लिए गुरू का दिशा निर्देश बहुत महत्त्वपूर्ण होता है। गुरु केवल एक शिक्षक ही नहीं है, अपितु वह व्यक्ति को जीवन के हर संकट से बाहर निकलने का मार्ग बताने वाला मार्गदर्शक भी है। गुरु का दर्जा भगवान के बराबर माना जाता है क्योंकि गुरु, व्यक्ति और सर्वशक्तिमान के बीच एक कड़ी का काम करता है। जीवन में गुरू के महत्त्व का वर्णन कबीर दास जी ने अपने दोहों में पूरी आत्मीयता से किया है।

गुरू गोविन्द दोऊ खडे का के लागु पाँव,
बलिहारी गुरू आपने गोविन्द दियो बताय।

आज के आधुनिक युग में भी गुरु की महत्ता में जरा भी कमी नहीं आयी है। एक बेहतर भविष्य के निर्माण हेतु आज भी गुरु का विशेष योगदान आवश्यक होता है।

3. 'एक अंधे की आत्मकथा' लिखें।

उस दिन अंधें भिखारी को मंदिर की सीढ़ियों पर न पाकर न जाने क्यों मन विचलित हो गया। पूछने पर पता चला कि वह आज नहीं आया। दिनभर न चाहते हुए भी मैं उसके ही बारे में सोचती रही। और क्यों न हो वह इतना सुरीला गाता था कि कोई भी उसके मोहपाश में बंध सा जाय। सुबह उठने के बाद पहला काम मंदिर जाने का किया और जैसे ही उस भिखारी को देखा मन प्रसन्न हो गया। सीधे उसके पास पहुँची और

पूछा, “बाबा कल कहाँ थे?” मुझे आप के बारे में सब-कुछ जानना है। अंधा मुझसे इस प्यार की भाषा को सुनकर रोने लगा। मैंने उसे सहानुभूति दी तो वह अपने जीवन के पिछले पृष्ठों को परत दर परत खोलने लगा।

मैं बचपन से अंधा नहीं था। खाते-पीते किसान घर का बालक था। गाँव की पाठशाला में पढ़ता और खेतों में जमकर मेहनत करता। बड़े हँसी-खुशी से बचपन के दिन गुजर गए। उसके बाद मेरा विवाह पास के ही गाँव की रमा से हुआ और हमारी गृहस्थी की गाड़ी चल पड़ी। जीवन में बड़े उतार-चढ़ाव देखे लेकिन रमा जैसी पत्नी के कारण अकाल, बाढ़ जैसे सब दिन निकल गए। रमा ने एक साथ चार-चार पुत्रों से मेरी झोली भर दी। बस फिर क्या था उनकों बड़ा करने में हम दोनों ने अपना जीवन झोंक। दिन को दिन और रात को रात न समझा अथाह परिश्रम किया और चारों बेटों को सफलता के ऊँचें शिखरों पर पहुँचा दिया। सब के सब विदेश चले गए और जो गए तो आज तक नहीं लौटे और ना ही उन्होंने हमारी कोई खबर ली। कुछ समय के पश्चात मोतियाबिंद बढ़ जाने के कारण मुझे अपनी आँखों की रोशनी से हाथ धोना पड़ा। जब तक रमा थी तब तक उसने मुझे किसी तरह की तकलीफ न होने दी। लेकिन हाय रे विधाता! उसे तो कुछ और ही मंजूर था उसने मेरी रमा को मुझसे छीन लिया और मुझे अब इस तरह का जीवन जीने के लिए मजबूर होना पड़ा। विदेश में रहने वाले मेरे बेटों को तो यह भी पता नहीं होगा कि उनका बूढ़ा बाप जिंदा भी है या मर गया है मैं तो कहता हूँ कि ईश्वर ऐसी संतान किसी को न दें।

4. ‘मन के हारे हार है मन के जीते जीत’ इस उक्ति के आधार पर इस विषय पर विचार प्रकट करें।

किसी विद्वान ने क्या खूब कहा है - “मन के हारे हार मन के जीते जीत है” इस वाक्य का यदि आप गहराई से अवलोकन करें तो इस वाक्य की सार्थकता का पता चलता है कि मन कितना शक्तिशाली है जो किसी को भी पराजित या विजयी कर सकता है। और ये वास्तविकता भी है कि

हमारा मन ऐसा कर सकता है क्योंकि हमारे शास्त्रों में मन को ही बंधन और मन को ही मुक्ति का कारण माना गया है। शुद्ध, शांत, निर्मल और स्थिर मन मनुष्य को उत्कर्ष की ओर ले जाता है वही पर चंचल, अस्थिर कुलषित एवं कुसंस्कारों से भरा हुआ मन मनुष्य को पतन व पराभव के मार्ग पर धकेलता है।

मनुष्य का जीवन परिवर्तनशील है जिस प्रकार मौसम में बदलाव देखने को मिलते हैं ठीक उसी प्रकार मानव-जीवन में निराशा-अवसाद, लाभ-हानि, सफलता-असफलता आते और जाते रहते हैं। कहने का तात्पर्य यह है कि मानव-जीवन में कुछ भी स्थिर नहीं रहता। कभी तो काले घटाओं के बादल घिर आते हैं और मनुष्य अवसाद ग्रस्त हो जाता है परंतु थोड़े ही समय के पश्चात सुखों की बारिश के रूप में मनमोहक इन्द्रधनुष भी मानव-जीवन में आता है जीवन के इन्हीं कड़वे-मीठे अनुभवों से गुजरने का नाम जीवन है। इसलिए जीवन को जीने के लिए मानव को सकारात्मक सोच को अपनाना होगा। जहाँ अच्छा वक्त हमें खुशी देता है, वहीं बुरा वक्त हमें आने वाले भविष्य के लिए सक्षम बनाता है। कुछ लोग अपनी पहली ही असफलता पर हार मान लेते हैं और निराशा के अंधकार में खो जाते हैं। अब्राहम लिंकन के बारे में कौन नहीं जानता उम्र के 52 वर्ष में वे अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए। क्या वे चुनाव हारने के बाद निराश नहीं हुए होंगे? क्या उन्हें अवसाद या निराशा न घेरा होगा? जरुर उन्होंने ने भी इन सब का सामना किया होगा परंतु हिम्मत, सहनशीलता और आत्मविश्वास के कारण ही अंत में वे सफल हुए।

मनुष्य ने जिस क्षण स्वयं को कमज़ोर, लाचार और निर्बल महसूस करना शुरू कर दिया समझो उसी क्षण उसकी हार निश्चित हो जाती है। मानव को दो विकल्पों के बीच सदैव चुनाव करना पड़ता है और यह उसका मानसिक स्तर, उसका विवेक है कि वह क्या चुनता है। मानसिक रूप से सबल और सचेत व्यक्ति सदैव आगे बढ़ने की बात करता है उसके लिए भाग्य जैसी बातें सिर्फ शब्द होते है उसे अपने पुरुषार्थ पर विश्वास होता है। वह निराशा में भी आशा की किरण खोज लेते है उनके लिए हर वक़्त शुरुआत का वक़्त होता है।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रस्तुत चित्र में हम देख रहे हैं कि आतंकवादी हमला करते हुए आगे बढ़ रहे है और सिपाही आतंकवादियों की ओर बंदूक ताने बैठा है। वह उन्हें रोकने का प्रयास कर रहा है।

आज आतंकवाद एक विश्वव्यापी समस्या बन गयी है जिसकी जड़ें कई देशों में फैलती आ रही है। आतंकवाद ने विश्व के विभिन्न देशों के इतिहास पर बड़ा असर डाला है। उन्होंने राजा महाराजाओं, राजनेताओं, सरकारों और आरंभिक समय में राजवंशों के परिवर्तन को भी प्रेरित किया है। आतंकवादी घटनाओं ने व्यक्तियों तथा राष्ट्रों के भाग्य को-और शायद इतिहास के रुख को भी बदला है।

आज सारे विश्व को आतंकवाद ने घेरा हुआ है। अलग-अलग देशों में हिंसक गतिविधियों के अनेकों कारण हो सकते हैं, परन्तु आमतौर पर यह प्रतिशोध की भावना से शुरू होती है। धीरे-धीरे अपनी बात मनवाने के लिए आतंकवाद का प्रयोग एक हथियार के रुप में किया जाता है। तोड़-फोड़, अपहरण, लूट-खसोट, बलात्कार, हत्या आदि करके अपनी बात मनवाते हैं। जहाँ तक हमारा देश का सवाल है, दुःख की बात यह है कि

स्वतंत्रता के पश्चात, भारत अपने पड़ोसी देशों कि वजह से एक प्रतिकूल वातावरण का सामना कर रहा है।

भारत बहुत समय से आतंकवाद का शिकार रहा है। भारत के कश्मीर, नागालैंड, पंजाब, असम, बिहार आदि विशेषरूप से आतंक से प्रभावित रहे हैं भारत में आतंकवाद की शुरुआत उसी दिन से हो गई थी जब नागा विद्रोहियों ने अपना झंडा बुलंद किया था। उसके बाद यह आग त्रिपुरा, मणिपुर, मिजोरम होते हुए पंजाब तक पहुँच गया। किसी तरह सख्ती करके पंजाब के आतंकवाद पर काबू पाया, पर देश से आतंकवाद पूरी तरह खत्म नहीं हो सका।

आतंकवाद जीवन के सही बोध के अभाव से जन्म लेता है। जब तक मानव जाति को वह बोध उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, मानव जाति को आतंकवाद से मुक्ति मिलने वाली नहीं है। आतंकवाद को समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक, सामाजिक आदि सभी स्तरों से प्रयास किए जाने चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए:

अपने विद्यालय को 'आदर्श विद्यालय' पुरस्कार प्राप्त होने पर प्रधानाचार्य को अभिनंदन हेतु पत्र लिखिए।

सेवा में,

प्रधानाचार्य

समता विद्यालय

शिवाजी रोड

कोल्हापुर

विषय : आदर्श विद्यालय पुरस्कार हेतु अभिनंदन।

माननीय प्रधानाचार्य,

मैं अमर कक्षा दसवीं का विद्यार्थी हूँ। आज मैंने समाचारपत्र में पढ़ा कि समता विद्यालय को आदर्श विद्यालय का पुरस्कार मिला है। मुझे बहुत ही गर्व

महसूस हो रहा है कि मैं इसका विद्यार्थी हूँ। मैं यह पत्र द्वारा आपको बधाई देना चाहता हूँ। इस कामयाबी की ढ़ेरो बधाईयाँ।

आशा करता हूँ आपके नेतृत्त्व में विद्यालय का नाम और रोशन होगा।

आपका आज्ञाकारी छात्र

पूरब जोशी

कक्षा - दसवीं 'अ'

अनुक्रमांक - 14

अथवा

'स्वच्छता अभियान' में सहयोग देने के लिए से अपनी कॉलोनी के सचिव को पत्र लिखिए।

सचिव

स्वच्छता अभियान

गणेश कॉलोनी

मिरज

दिनाँक : 30 मार्च 2018

विषय : 'स्वच्छता अभियान' में सहयोग देने निवेदन।

महोदय

मैं मनोहर विद्यालय का सफाई अभियान दल का नेता हूँ। हमारे विद्यालय के पासवाला इलाका 'गणेश कॉलोनी' बहुत ही गंदा होता है। जहाँ से हमारे स्कूल के विद्यार्थी आते-जाती है, मैं विद्यालय के दसवीं कक्षा के छात्रों को 30 मार्च के दिन वहाँ सफ़ाई के प्रति जागरूकता लाने ले जाना चाहता हूँ। हम सफ़ाई अभियान का महत्त्व बताते हुई लोगों को समझायेंगे कि सफाई सामाजिक दायित्व है।

अत: आपसे निवेदन है कि आप हमें सहयोग दें।

भवदीय

अमित देसाई

10\147

गणेश कॉलोनी

मिरज

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए:

एक समय की बात एक गाँव में एक कुम्हार रहता था। एक दिन नशे की हालत में वह एक घड़े पर गिर गया और उसके माथे पर एक घाव लग गया। चिकित्सा के बाद भी उसके माथे पर एक निशान रह गया। कुछ समय के पश्चात देश में अकाल पड़ा और कुम्हार नौकरी की तलाश में अन्य देश में गया। राजा के महल में एक नौकरी मिल गई। राजा ने निशान देखकर सोचा कि कुम्हार एक अच्छा योद्धा रहा होगा। राजा उसे अतिरिक्त सम्मान देना शुरू कर दिया। एक दिन दुश्मन राज्य ने राज्य के खिलाफ युद्ध छेड़ा। राजा ने कुम्हार को अपनी सेना का नेतृत्व करने कहा, तब कुम्हार ने कहा मैं योद्धा नहीं था और निशान के बारे में कहानी बताई। राजा अपने अज्ञान के लिए शर्मिंदा थे।

1. कुम्हार को घाव कैसे लग गया? **[2]**

   उत्तर : एक दिन नशे की हालत में कुम्हार एक घड़े पर गिर गया और उसके माथे पर घाव लग गया।

2. कुम्हार अन्य देश क्यों गया? **[2]**

   उत्तर : देश में अकाल पड़ने के कारण नौकरी की तलाश में कुम्हार अन्य देश गया।

3. कुम्हार को राजा के महल में कौन-सी नौकरी मिली? क्यों? **[2]**

   उत्तर : कुम्हार को राजा के महल में योद्धा की नौकरी मिली। क्योंकि राजा ने कुम्हार के माथे पर लगा निशान देखकर सोचा कि कुम्हार एक अच्छा योद्धा रहा होगा।

4. राजा ने कुम्हार को अतिरिक्त सम्मान देना क्यों शुरू कर दिया? **[2]**

उत्तर : राजा ने कुम्हार के माथे पर लगा निशान देखकर सोचा कि कुम्हार एक अच्छा योद्धा रहा होगा। इसी वजह से उन्होंने कुम्हार को अतिरिक्त सम्मान देना शुरू कर दिया।

5. आपको यह गद्यांश पढ़कर क्या सीख मिलती है? **[2]**

उत्तर : यह गद्यांश पढ़कर यह सीख मिलती है कि हमेशा पूरी सच्चाई जान लेनी चाहिए क्योंकि जरुरी नहीं हर बार जैसा दिखता है वैसा हो।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए : [2]

पूज्यनीय, पूँछना, वेषभूषा, उपजाउ

उत्तर : पूजनीय, पूछना, वेशभूषा, उपजाऊ

2. निम्नलिखित वाक्य का विपरीतार्थक वाक्य लिखिए : [1]

I. यह पढ़ाई में पंडित है।

उत्तर : यह पढ़ाई में मूर्ख है।

3. निम्नलिखित रिक्त स्थानों में उचित मुहावरा शब्द का प्रयोग करें : [2]

i. अरे, तुमने तो जरा सी बात का को लेकर राई का _____ बना दिया।

उत्तर : अरे, तुमने तो जरा सी बात का को लेकर राई का <u>पहाड़</u> बना दिया।

ii. भारतीयों ने दुश्मनों के दाँत _________ कर दिए।

उत्तर : भारतीयों ने दुश्मनों के दाँत <u>खट्टे</u> कर दिए।

4. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए: [3]

1. आलस्य के कारण वह सफल नहीं हो पाया। ('आलस्य' के स्थान पर विशेषण का प्रयोग कीजिए।)
   उत्तर : आलसी होने के कारण वह सफल नहीं हो पाया।

2. वह इस बात से दुखी है। (उसे से वाक्य शुरू कीजिए।)
   उत्तर : उसे इस बात का दुःख है।

3. युवती कविता पढ़ कर रही हैं। (वचन बदलिए।)
   उत्तर : युवतियाँ कविताएँ पढ़ रही हैं।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मुझे तो तेरे दिमाग के कन्फ्यूजन का प्रतीक नज़र आ रहा है, बिना मतलब जिंदगी खराब कर रही है।"

पाठ - दो कलाकार

लेखक - मन्नू भंडारी

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता और श्रोता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण की वक्ता अरुणा और श्रोता चित्रा है। ये दोनों अभिन्न सहेलियाँ हैं। अरुणा और चित्रा पिछले छः वर्षों से छात्रावास में एक साथ रहते हैं। चित्रा एक चित्रकार है और अरुणा को लोगों की सेवा करने में आनंद मिलता है।

2. चित्रा का अरुणा को नींद में से जगाने का क्या उद्देश्य है? [2]

उत्तर : चित्रा एक चित्रकार है और अरुणा उसकी मित्र अभी-अभी कुछ समय पहले उसने एक चित्र पूरा किया था जिसे वह अपनी मित्र अरुणा को दिखाना चाहती थी इसलिए चित्रा ने अरुणा को नींद से जगा दिया।

3. अरुणा ने चित्र को घनचक्कर क्यों कहा? [3]

उत्तर : चित्रा ने अरुणा को जब चित्र दिखाया तो तो उसमें सड़क, आदमी, ट्राम, बस, मोटर, मकान सब एक-दूसरे पर चढ़ रहे थे। मानो सबकी खिचड़ी पकाकर रख दी गई हो। इसलिए अरुणा ने उस चित्र को घनचक्कर कहा।

4. चित्रा ने उस चित्र को किसका प्रतीक कहा और क्यों? [3]

उत्तर : चित्रा ने उस चित्र को कन्फ्यूजन का प्रतीक का प्रतीक कहा क्योंकि उस चित्र में सड़क, आदमी, ट्राम, बस, मोटर, मकान सब एक-दूसरे पर चढ़ रहे थे।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

विपत्ति में भी मेरे पति ने धर्म नहीं छोड़ा। धन्य हैं मेरे पति! सेठ के चरणों की रज मस्तक पर लगाते हुए बोली, "धीरज रखें, भगवान सब भला करेंगे।"

पाठ - महायज्ञ का पुरस्कार

लेखक - यशपाल

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण की वक्ता सेठ की पत्नी है। सेठ की पत्नी भी बुद्धिमत्ती स्त्री थी। मुसीबत के समय अपना धैर्य न खोते हुए उसने अपने पति को अपना एक यज्ञ बेचने की सलाह दी।

विपत्ति की स्थिति में वह अपने पति को ईश्वर पर विश्वास और धीरज धारण करने को कहती है। इस प्रकार सेठ की पत्नी भी कर्तव्य परायण, धीरवती, ईश्वर पर निष्ठा रखने वाली और संतोषी स्त्री थी।

2. वक्ता ने अपने पति की रज मस्तक पर क्यों लगाई? [2]

उत्तर : सेठानी के पति जब कुंदनपुर गाँव से धन्ना सेठ के यहाँ से खाली हाथ घर लौटे तो पहले तो वे काँप उठी पर जब उसे सारी घटना की जानकारी मिली तो उनकी वेदना जाती रही। उनका हृदय यह देखकर उल्लसित हो गया कि विपत्ति में भी उनके पति ने अपना धर्म नहीं छोड़ा और इसी बात के लिए सेठानी ने अपने पति की रज मस्तक से लगाई।

3. सेठानी भौचक्की-सी क्यों खड़ी हो गई? [3]

उत्तर : रात के समय सेठानी उठकर दालान में दिया जलाने आईं तो रास्ते में किसी चीज से टकराकर गिरते-गिरते बची दिया। सँभलकर आले तक पहुँची और दिया जलाकर नीचे की ओर निगाह डाली तो देखा कि दहलीज के सहारे पत्थर ऊँचा हो गया है जिसके बीचों बीच लोहें का कुंदा लगा है। शाम तक तो वहाँ वह पत्थर बिल्कुल भी उठा नहीं था अब यह अकस्मात कैसे उठ गया? यही सब देखकर सेठानी भौचक्की-सी खड़ी हो गई।

4. सेठ को धन की प्राप्ति किस प्रकार हुई? [3]

उत्तर : सेठानी ने जब सेठ को बुलाकर दालान में लगे लोहे कुंदे के बारे में बताया तो सेठ जी भी आश्चर्य में पड़ गए। सेठ ने कुंदे को पकड़कर खींचा तो पत्थर उठ गया और अंदर जाने के लिए सीढ़ियाँ निकल आईं। सेठ और सेठानी सीढ़ियाँ उतरने लगे कुछ सीढ़ियाँ उतरते ही इतना प्रकाश सामने आया कि उनकी आँखें चौंधियाने लगी। सेठ ने देखा वह एक विशाल तहखाना है और

जवाहरातों से जगमगा रहा है। इस तरह सेठ को धन की प्राप्ति हुई।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

वाह भाई! क्या आइडिया है। मूर्ति कपड़े नहीं बदल सकती, लेकिन चश्मा हर बार बदल कैसे जाता है?

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

1. प्रस्तुत कथन के वक्ता का परिचय दें। [2]

   उत्तर : प्रस्तुत कथन के वक्ता हालदार साहब हैं। वे अत्यंत भावुक और संवेदनशील होने के साथ एक देशभक्त भी हैं। उन्हें देशभक्तों का मज़ाक उड़ाया जाना पसंद नहीं है। वे कैप्टन की देशभावना के प्रति सम्मान और सहानुभूति रखते हैं।

2. प्रस्तुत कथन के श्रोता का परिचय दें। [2]

   उत्तर : प्रस्तुत कथन का श्रोता पानवाला है। पानवाला पूरी की पूरी पान की दुकान है, सड़क के चौराहे के किनारे उसकी पान की दुकान है। वह काला तथा मोटा है, उसकी तोंद भी निकली हुई है, उसके सिर पर गिने-चुने बाल ही बचे हैं। वह एक तरफ़ ग्राहक के लिए पान बना रहा है, वहीं दूसरी ओर उसका मुँह पान से भरा है। पान खाने के कारण उसके होंठ लाल तथा कहीं-कहीं काले पड़ गए हैं। स्वभाव से वह मजाकिया है। वह बातें बनाने में माहिर है।

3. कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब को क्या आदत पड़ गई थी? [3]

   उत्तर : कस्बे से गुजरते समय हालदार साहब को उस कस्बे के मुख्य बाज़ार के चौराहे पर रुकना, पान खाना और मूर्ति को ध्यान से देखने की आदत पड़ गई थी।

4. मूर्ति का चश्मा हर-बार कौन और क्यों बदल देता था? [3]

उत्तर : मूर्ति का चश्मा हर-बार कैप्टन बदल देता था। कैप्टन असलियत में एक गरीब चश्मेवाला था। उसकी कोई दुकान नहीं थी। फेरी लगाकर वह अपने चश्मे बेचता था। जब उसका कोई ग्राहक नेताजी की मूर्ति पर लगे फ्रेम की माँग करता तो कैप्टन मूर्ति पर अन्य फ्रेम लगाकर वह फ्रेम अपने ग्राहक को बेच देता। इसी कारणवश मूर्ति पर कोई स्थाई फ्रेम नहीं रहता था।

साहित्य सागर

पद्य

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

व्यथित है मेरा हृदय-प्रदेश,
चलू उनको बहलाऊँ आज।
बताकर अपना सुख-दुख उसे
हृदय का भार हटाऊँ आज।।
चलूँ माँ के पद-पंकज पकड़
नयन-जल से नहलाऊँ आज।
मातृ मंदिर में मैंने कहा....
चलूँ दर्शन कर आऊँ आज।।
किंतु यह हुआ अचानक ध्यान,
दीन हूँ छोटी हूँ अज्ञान।
मातृ-मंदिर का दुर्गम मार्ग
तुम्हीं बतला दो हे भगवान।।

कविता - मातृ मंदिर की ओर

कवि - सुभद्रा कुमारी चौहान

1. किसका हृदय व्यथित है और क्यों? [2]

उत्तर : कवयित्री का हृदय मातृ मंदिर में माँ के दर्शन के लिए व्यथित है।

2. कवयित्री अपनी व्यथा को दूर करने के लिए क्या करना चाहती है? [2]

उत्तर : कवयित्री अपनी व्यथा को दूर करने के लिए मातृ मंदिर जाना चाहती है। अपने नैनों के जल से माँ के पैर धोना चाहती है और उनके दर्शन करना चाहती है जिससे उनका व्यथित हृदय शांत हो सके।

3. मातृ मंदिर का मार्ग कैसा है? [3]

उत्तर : कवयित्री का हृदय मातृ मंदिर में माँ के दर्शन के लिए व्यथित है। कवयित्री अपनी व्यथा को दूर करने के लिए मातृ मंदिर जाना चाहती है।

परंतु मातृ मंदिर का मार्ग दुर्गम है। कवयित्री दीन और अंजान भी है।

4. शब्दार्थ लिखिए - व्यथित, नयन-जल, दुर्गम, पद-पंकज, भगवान, अचानक [3]

- व्यथित - दुखी
- नयन-जल - आँसू
- दुर्गम - जहाँ जाना कठिन हो
- पद-पंकज - कमल रूपी पाँव
- भगवान - ईश्वर
- अचानक - सहसा

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

गुरु गोबिंद दोऊ खड़े, काके लागू पायँ।
बलिहारी गुरु आपनो, जिन गोबिंद दियौ बताय॥
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि॥

कविता - साखी
कवि - कबीरदास

1. यहाँ पर 'मैं' और 'हरि' शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है? [2]

   उत्तर : यहाँ पर 'मैं' और 'हरि' शब्द का प्रयोग क्रमशः अहंकार और परमात्मा के लिए किया है।

2. कबीर के अनुसार कौन परमात्मा से मिलने का रास्ता दिखाता है? [2]

   उत्तर : कबीर के अनुसार गुरु परमात्मा से मिलने का रास्ता दिखाता है।

3. 'जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाँहि।' - का भावार्थ स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : इस पंक्ति द्वारा कबीर का कहते है कि जब तक यह मानता था कि `मैं हूँ', तब तक मेरे सामने हरि नहीं थे। और अब हरि आ प्रगटे, तो मैं नहीं रहा। अँधेरा और उजाला एक साथ, एक ही समय, कैसे रह सकते हैं? जब तक मनुष्य में अज्ञान रुपी अंधकार छाया है वह ईश्वर को नहीं पा सकता अर्थात् अहंकार और ईश्वर का साथ-साथ रहना नामुमकिन है। यह भावना दूर होते ही वह ईश्वर को पा लेता है।

4. कबीर के गुरु के प्रति दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : कबीरदास ने गुरु का स्थान ईश्वर से श्रेष्ठ माना है। कबीर कहते है जब गुरु और गोविंद (भगवान) दोनों एक साथ खड़े हो तो गुरु के

श्रीचरणों मे शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रुपी प्रसाद से गोविंद का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरु ज्ञान प्रदान करते हैं, सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, मोह-माया से मुक्त कराते हैं।

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह आता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
पेट-पीठ दोनों मिलकर हैं एक,
चल रहा लकुटिया टेक,
मुट्ठी भर दाने को- भूख मिटाने को
मुँह फटी पुरानी झोली का फैलाता
दो टूक कलेजे के करता पछताता पथ पर आता।
साथ दो बच्चे भी हैं सदा हाथ फैलाए,
बाएँ से वे मलते हुए पेट को चलते,
और दाहिना दया-दृष्टि पाने की ओर बढ़ाए।

कविता - भिक्षुक

कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक लोगों से क्या माँग रहा है? [2]

   उत्तर : भिक्षुक लोगों से अपनी क्षुधा शान्त करने के लिए मुट्ठी दो मुट्ठी अनाज माँग रहा है।

2. भिक्षुक की झोली कैसी है? [2]

   उत्तर : भिक्षुक की झोली फटी-पुरानी है।

3. इन पंक्तियों के आधार पर भिक्षुक की दीन दशा का वर्णन कीजिए? [3]

उत्तर : भिक्षुक कितना दुर्बल है, इसका सहज ही अनुमान उसका पेट और पीठ देखकर लगाया जा सकता है। काफी समय से भोजन न मिलने के कारण उसके पेट-पीठ एक जैसे हो चुके हैं। वह बुढ़ापे और दुर्बलता के कारण लाठी के सहारे चल रहा है।

4. शब्दार्थ लिखिए - टूक, पथ, लकूटिया, भूख, पथ, कलेजे [3]

- टूक - टुकड़े
- पथ - रास्ता
- लकूटिया - लाठी
- भूख - क्षुधा
- पथ - रास्ता
- कलेजे - हृदय

एकांकी संचय

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वीरसिंह और जिस जन्मभूमि की धूल में खेलकर हम बड़े हुए हैं, उसका अपमान भी कैसे सहन किया जा सकता है? हम महाराणा के नौकर हैं तो क्या हमने अपनी आत्मा भी उन्हें बेच दी है? जब कभी मेवाड़ की स्वतंत्रता पर आक्रमण हुआ है, हमारी तलवार ने उनके नमक का बदला दिया है।

एकांकी - मातृभूमि का मान

लेखक - हरिकृष्ण 'प्रेमी'

1. वीरसिंह की मातृभूमि कौन-सी थी और वह मेवाड़ में क्यों रहता था? [2]

उत्तर : वीरसिंह की मातृभूमि बूँदी थी। वह मेवाड़ में इसलिए रहता था क्योंकि वह महाराणा लाखा की सेना नौकरी करता था।

2. वीरसिंह के बलिदान ने राजपूतों को क्या सिखा दिया? [2]

उत्तर : वीरसिंह के बलिदान ने राजपूतों को जन्मभूमि का मान करना सिखा दिया।

3. वीरसिंह ने अपनी मातृभूमि के प्रति प्रेम किस तरह दिखाया? [3]

उत्तर : वीरसिंह ने अपनी मातृभूमि बूँदी के नकली दुर्ग को बचाने के लिए अपने साथियों के साथ प्रतिज्ञा ली कि प्राणों के होते हुए हम इस नकली दुर्ग पर मेवाड़ की राज्य पताका को स्थापित न होने देंगे तथा दुर्ग की रक्षा के लिए अपने प्राण की आहुति दे दी।

4. 'मातृभूमि का मान' एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : इस एकांकी में यह दिखाया गया है कि मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या-क्या बलिदान नहीं करना पड़ता, यहाँ तक कि प्राणों का बलिदान भी करना पड़ता है। इस एकांकी में वीर सिंह के माध्यम से यह बताया गया है कि राजपूत किसी भी सूरत में अपनी मातृभूमि को किसी के अधीन नहीं देख सकते हैं इसलिए राजपूत अपनी मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की भी परवाह नहीं करते हैं। इस पूरी एकांकी में राजपूतों की मातृभूमि के प्रति ऐसी ही एकनिष्ठा को दर्शाया है।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दादाजी, आप पेड़ से किसी डाली का टूटकर अलग होना पसंद नहीं करे,पर क्या आप यह चाहेंगे कि पेड़ से लगी-लगी वह डाल सूखकर मुरझा जाय...

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण की वक्ता का परिचय दें। [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण की वक्ता मूलराज परिवार की छोटी बहू बेला है। वह एक संपन्न घराने की सुशिक्षित लड़की है। ससुराल के पुराने संस्कार और पारिवारिक सदस्यों से पहले वह सामंजस्य नहीं बैठा पाती है परंतु अंत में वह परिवार के सदस्यों के साथ मिलजुलकर रहने लगती है।

2. घर के सदस्यों का व्यवहार छोटी बहू के प्रति बदल कैसे जाता है? [2]

उत्तर : छोटी बहू हर समय अपने मायके की ही तारीफ़ करती रहती है। इस कारण घर के सभी सदस्य उसे अभिमानी समझते हैं और उसकी बातों पर हँसते रहते हैं परंतु जब घर के दादाजी द्‌वारा उन्हें समझाया जाता है तब घर के सभी सदस्यों का व्यवहार छोटी बहू के प्रति बदल जाता है।

3. उपर्युक्त कथन से वक्ता का क्या आशय है? [3]

उत्तर : उपर्युक्त कथन से वक्ता का आशय उसे अधिक दिए जाने वाले मान-सम्मान से हैं। दादाजी के समझाने पर परिवार के सदस्यों का व्यवहार इस हद तक बदल गया कि वे उसे जरूरत से ज्यादा सम्मान देने लगे जिसके कारण वह अपने आप को घर में उपेक्षित समझने लगी। पर इसके साथ ही उसे अपनी भूल का अहसास भी होने लगता है कि ऐसे व्यवहार के लिए वह खुद भी दोषी है।

4. वक्ता की मन:स्थिति का वर्णन कीजिए। [3]

उत्तर : बेला एक सुशिक्षित लड़की है। उसे अपने प्रति परिवार का बदला व्यवहार अच्छा नहीं लगता पर जब उसे पता चलता है कि घर का हर-एक सदस्य परिवार को अलगाव से बचाने के लिए दादाजी की आज्ञा का पालन कर रहा है तो उसे अपनी भूल समझ आती है कि वह भी इस परिवार का ही एक अंग है। क्यों न वह भी

पहल करे और परिवार के साथ मिलजुलकर रहें और उपर्युक्त कथन वक्ता की इसी पारिवारिक जुड़ाव और मन की व्यथा का वर्णन करता है।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

कह नहीं सकता संजय किसके पापों का परिणाम है, किसकी भूल थी जिसका भीषण विष फल हमें मिला। ओह! क्या पुत्र-मोह अपराध है, पाप है? क्या मैंने कभी भी...कभी भी...

एकांकी - महाभारत की एक साँझ

लेखक - भारत भूषण अग्रवाल

1. उपर्युक्त अवतरण के वक्ता कौन है? उनका परिचय दें। [2]

   उत्तर : उपर्युक्त अवतरण के वक्ता धृतराष्ट्र हैं। धृतराष्ट्र जन्म से ही नेत्रहीन थे। वे कौरवों के पिता हैं। दुर्योधन उनका जेष्ठ पुत्र हैं। इस समय वे अपने मंत्री संजय के सामने अपनी व्यथा को प्रकट कर रहे हैं।

2. यहाँ पर श्रोता कौन है? वह वक्ता को क्या सलाह देता है और क्यों? [2]

   उत्तर : यहाँ पर श्रोता धृतराष्ट्र का मंत्री है। उन्हें दिव्य दृष्टि प्राप्त थी। अपनी दिव्य दृष्टि की सहायता से वे धृतराष्ट्र को महाभारत के युद्ध का वर्णन बताते रहते हैं। इस समय वे धृतराष्ट्र को शांत रहने की सलाह देते हैं। संजय के अनुसार जो हो चुका है उस पर शोक करना व्यर्थ है।

3. यहाँ पर भीषण विष फल किस ओर संकेत करता है स्पष्ट कीजिए। [3]

   उत्तर : यहाँ पर धृतराष्ट्र के अति पुत्र-मोह से उपजे महाभारत के युद्ध की ओर संकेत किया गया है। पुत्र-स्नेह के कारण दुर्योधन की हर

अनुचित माँगों और हरकतों को धृतराष्ट्र ने उचित माना। धृतराष्ट्र ने पुत्र-मोह में बड़ों की सलाह, राजनैतिक कर्तव्य आदि सबको नकारते हुए अपने पुत्र को सबसे अहम् स्थान दिया और जिसकी परिणिति महाभारत के भीषण युद्ध में हुई।

4. पुत्र-मोह से क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : पुत्र-मोह से यहाँ तात्पर्य अंधे प्रेम से है। धृतराष्ट्र अपने जेष्ठ पुत्र दुर्योधन से अंधा प्रेम करते थे इसलिए वे उसकी जायज नाजायज सभी माँगों को पूरा करते थे। इसी कारणवश दुर्योधन बचपन से दंभी और अहंकारी होता गया।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'आप समाज की इतनी चिंता क्यों करते हैं? क्या करता है यह समाज हमारे लिए?'

1. घर में सभी लोग पोस्ट मैन का इंतजार क्यों कर रहे थे? [2]

उत्तर : मीनू को देखने के लिए लड़के वाले आए थे और उन्होंने घर जाकर पत्र के द्वारा रिश्ते की हाँ या ना का जवाब भेजने को कहा था। इसलिए घर के सभी सदस्य पोस्ट मैन का इंतजार कर रहे थे।

2. मेरठ से क्या जवाब आया? [2]

उत्तर : मेरठ से यह ज़वाब आया कि उन्हें मीनू के बदले उसकी छोटी बहन आशा पसंद है यदि वे अपनी छोटी बेटी का विवाह अपनी

बड़ी बेटी के विवाह से पहले अमित से करवाने के लिए राजी हैं तो बात आगे बढ़ सकती है।

3. मीनू के क्या निर्णय लिया? [3]

उत्तर : मेरठ से जब मीनू के रिश्ते के बदले उसकी छोटो बहन का प्रस्ताव आया तो मीनू यह बात अच्छे से समझ गई कि उसे नापसंद किया गया है उसमें हीन भावना और बढ़ गई और उसने निर्णय ले लिया कि वह विवाह नहीं करेगी।

4. उपर्युक्त कथन का उद्धेश्य स्पष्ट करें। [3]

उत्तर : मीनू ने जब अपने विवाह न करने का निर्णय लिया और अपने पिता से कहा कि वे छोटी बहन का रिश्ता अमित के साथ कर दें। इस पर पिताजी गुस्सा हो जाते हैं और मीनू से कहते हैं कि उन्हें इस बात पर समाज क्या कहेगा। तब मीनू इस बात का उत्तर देते हर प्रस्तुत कथन कहती है कि वे किस समाज की बात कह रहे हैं। यह वही समाज है जो इस प्रकार की परिस्थिति उनके सामने उपस्थित कर रहा है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि कई बार समाज के कारण ही हमें कई अनचाहे निर्णय लेने पड़ते हैं।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब लड़का लड़की को देखने आए तो यह समय एक परीक्षा का समय होता है। लड़की के मन में एक अन्तर्दव्न्द्व होता है कि वह इस परीक्षा में पास हो सकेगी या नहीं।

1. आशा कौन है? [2]

उत्तर : आशा मीनू की छोटी बहन है। वह दिखने में अपनी बहन मीनू से कई ज्यादा सुंदर थी।

2. दयाराम के घर तैयारियाँ क्यों चल रही थी? [2]

उत्तर : दयाराम की बेटी मीनू का फोटो लड़के वालों को पसंद आ गया था और वे आज लड़की को देखने आने वाले थे इसलिए दयाराम के घर तैयारियाँ चल रही थी।

3. दयाराम के घर की तैयारी का वर्णन कीजिए। [3]

उत्तर : घर की सारी चीजें झाड़ पोंछकर यथा स्थान लगा दी गई थीं। अपनी हैसियत के अनुसार बैठक के कमरे को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया था। घर में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों के अलावा बाज़ार से भी कई प्रकार की मिठाईयाँ लाई गई थीं। सब बेसब्री से मेहमानों का इंतजार कर रहे थे। ऐसा लग रहा था जैसे उनके घर कोई देवता आने वाले हैं।

4. किसके मन में क्यों अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था? [3]

उत्तर : मीनू के मन में लड़के वालों को लेकर अन्तर्द्वन्द्व चल रहा था। मीनू साधारण सी सांवली लड़की थी और इस रिश्ते से पूर्व अनेक बार अपने रंग के कारण ठुकराई जा चुकी थी और वैसे भी लड़का लड़की देखते समय लड़की के मन में यह अन्तर्द्वन्द्व तो चलता ही रहता है कि क्या वह इस परीक्षा को पास कर लेगी।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए:

माँ ने उसे सीने से लगाकर आशीर्वाद दिया, “बेटी, एक देदीप्यमान नक्षत्र बनकर तुम जग को प्रकाशमय कर दो। जीवन की सारी खुशियाँ तुम्हारे पास हों, तुम अपने उद्धेश्य प्राप्ति में सफल हो, यही ईश्वर से मेरी प्रार्थना है।”

1. मीनू के मन में किस प्रकार के भाव उभरते रहते थे? [2]

उत्तर : मीनू अपनी जीवन की परिस्थितियों से विवश होकर कई बार वह हीन भावना से ग्रसित हो जाती थी उसे ऐसा आभास होने लगता था कि उसका जीवन व्यर्थ है जल्द की वह अपनी भावनाओं पर काबू भी पा लेती थी कि उस जैसी होनहार युवती के लिए इस तरह की भावना उचित नहीं है।

2. मीनू को वकालत करने की आज्ञा किस तरह मिली? [2]

उत्तर : बचपन से मीनू की इच्छा वकील बनने की थी परंतु मीनू के माता-पिता उसे होस्टल नहीं भेजना चाहते थे। पर मीनू की वकील बनने के प्रति लगन ने उन्हें आज्ञा देने के लिए मजबूर कर दिया।

3. किस कल्पना से मीनू सिहर उठती थी? [3]

उत्तर : मीनू पहली बार आपने माता-पिता से अलग हो रही थी अभी तक हमेशा अपने भाई-बहन के साथ मिलकर पढ़ाई करते हुए बड़ी हुई थी अचानक उन सबसे दूर हो जाने की कल्पना से ही मीनू सिहर उठती थी।

4. होस्टल पहुँचने के बाद शुरू में मीनू को कैसा लगा? [3]

उत्तर : होस्टल में पहुँचने के बाद कई दिनों तक मीनू का दिल बिल्कुल भी नहीं लगा। उसे कुछ नया और अजीब सा प्रतीत होता रहता था। शुरू में वहाँ उसकी अधिक सहेली भी नहीं बन पाई थी। वह अपना अधिकतर समय पुस्तकों के साथ ही बिताती थी।